फिल्म सिटी से मिलेगा सात लाख लोगों को रोजगार

अमर उजाला ब्यूरो

छह माह के भीतर शुरु होगा फिल्म सिटी का निर्माण, देशभर की अन्य फिल्म सिटी में जो कमियां हैं, वो यहां नहीं होंगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी का निर्माण छह महीने में शुरू हो जाएगा। तीन साल के अंदर फिल्मों की शूटिंग भी होने लगेगी। फिल्म सिटी के निर्माण से प्रदेश और आसपास के राज्यों के सात लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। कम से कम 50 हजार लोगों को सीधे तौर पर रोजगार मिलेगा। मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई में फिल्मों में अवसर तलाश रहे लोगों का सपना अब यूपी में ही साकार हो सकेगा।

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि फिल्म सिटी का निर्माण कार्य चार से छह महीने के अंदर शुरू हो जाएगा। कलाकार, टेक्नीशियन, मिक्सर, कैमरामैन, स्टोरी राइटर समेत ऐसी बहुत सारी प्रतिभाएं जो प्लेटफॉर्म न मिल पाने के कारण दम तोड़ देती हैं, उन्हें ये फिल्म सिटी मंच देगी। उन्होंने बताया कि देशभर में जितनी भी फिल्म सिटी हैं, उनमें जो भी कमियां हैं, वो यहां नहीं होंगी। अन्य फिल्म सिटी की तुलना में यहां ट्रैवल टाइम कम होगा, क्योंकि जेवर एयरपोर्ट बिल्कुल सटा हुआ है। यहां फिल्म इंस्टीट्यूट भी बनेंगे। यहां पर हिमाचल भी होगा और कश्मीर भी, रोड, एयरपोर्ट और हेलीपैड भी होंगे। शूटिंग के लिए मंदिर, मस्जिद और गिरिजाघर भी होंगे। रहने के लिए विला होंगे। साउंड मिक्सिंग और वीएफएक्स जैसी तकनीक का भी उपयोग होगा।

उन्होंने बताया कि यीडा के पास वर्ल्ड क्लास का इंफ्रास्ट्रक्चर है। यहां रैपिड रेल और मेट्रो हैं। इंडियन रेल भी यहां आ रही है। ट्रांजिट रेल भी आ रही है। साथ ही यहां होटल्स, विला जैसी सुविधाएं हैं। इसमें अकुशल लोगों को भी रोजगार मिलेगा, क्योंकि ये लेबर इंटेंसिव इंडस्ट्री है। बलिया से लेकर बिजनौर तक और बिहार, मध्यप्रदेश और हरियाणा तक के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी पूरी तरह सुरक्षित होगी। साइबर क्राइम से निपटने के लिए, टेक्नोलॉजी से ड्रिवेन इंवेस्टिगेशन, इंटीग्रेटेड सर्विलांस सिस्टम, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी तमाम चीजें नोएडा में आ चुकी हैं।